5 Rs

INDIA

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

पाँच रुपये

जिला निबंधक

१०५३ मिति २००० / 3 ... २१०.० 6038 50R

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रू. FIFTY RUPEES 50RS

लेखकारी :- श्री अवध प्रसाद सिंह पिता का नाम स्वर्गीय सूर्यनाथ सिंह जाति राजपूत निवास स्थान आबाद गंज थाना डालटन गंज जिला पलामू पेशा व्यापारी भारतीय

लेख्यधारी :- श्री मती सुनिता देवी पति का नाम श्री लाली राम जाति स्वर्णकार निवास ग्राम बिश्रामपुर थाना बिश्रामपुर

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रू. FIFTY RUPEES 50RS.

जिला पलामू पेशी बदस्त कारी
भारतीय

लेख्य प्रकार } निर्विवाद विक्रय पत्र
(केवाला बयमा कुलामी)

मूल्य :- मो० २००० दो हजार रुपया

सम्पति :- रकबा ० . ८१ डी. याने नव
डिसमिल जमीन असिंचित एक
फसला टाड़ III पर्ती दोलिडा
जिसका हिन्दी नाप छोड़ बरछ
वाके मौजा सोरडीहा थाना
विश्रामपुर जिला पलामू जिसकी
पूरी पूरी तफसील तसरीह
चौहद्दी जैल में दर्ज है वहलाके
रजिस्ट्री मुकाम डाल्टनगंज जिला पलामू
हेवायत है मुतालिक

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

५०रु. FIFTY RUPEES 50Rs

थाना नं. तौजी नं. खेवट नं. खाता नं

३१ - १५५ - १ - ६

प्लौट नं. ए. डी. उ. चौहद्दी रोड

३६२ - ० - ६१/२ द लक्ष्मण साव

तीन सौ बासठ   प० डिस्ट्रिक्ट बोर्ड रोड

पूरब हरिहर साव

० - ६१/२ डी. साढ़े छः डी.

नाम मालिक :- बिहार सरकार अंचल

बिश्रामपुर जिला पलामू

नाम लगानदार :- श्री १३ वें तेवह पेला

आलोक वोरा

विदित हो कि उपरोक्त खाता खेसरा

एवं सम्पत्ति हकियत पैतृक खरीदगी

रजिस्ट्री केवाला रजिस्ट्री जिसका एक

नं १ वॉल्युम ४५ पेज नं ४०७ से ४०८

डीड नं ६३०३ सन् १९७४ जो कि सर्कल नं

रजिस्ट्री ऑफिस में दर्ज है

... कर कायम हो ... दाखिल

50 R

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५० रु

50RS

FIFTY RUPEES

के चले आते है चूंकि इस पत्र वाले
चन्द जरूरी खर्चे के लिये रुपया की
सख्त जरूरत है जो बगैर किये मामल
रुपया का हासिल होना ख्याल जेब से
मुश्किल को दरकार है इसलिये उपरोक्त
खाना संख्या एवं सम्पत्ति को बिक्री का
इरादा किये बिक्री कि खबर पाकर लेख-
धारी लेने के लिये जो वाजीब किमत देने
का तलबगार लेखपत्र कारी के पास रखे जिसे
लेखपत्र कारी के स्वीकार किये जो इससे
ज्यादा किमत देने के लिये दीगर खरीदार
कोई भी तैयार नहीं हुआ इसलिये
उपरोक्त खाना संख्या एवं सम्पत्ति को
बाजिबन दो हजार रुपया मे लेखपत्रधारी
को अपना सारे अधिकार के साथ
हस्तांतरित कर दिया और कब्जा
दिलाया करा दिया।

10 RS

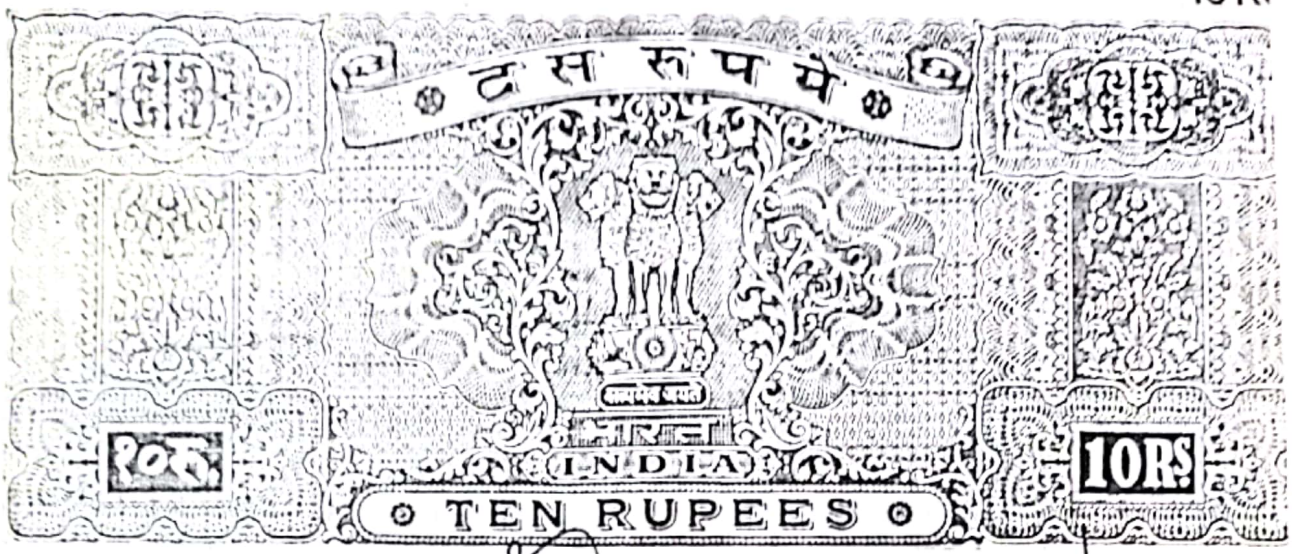

दस रुपये

भारत

INDIA

TEN RUPEES

१० रु.

10 RS

यो हुये कि मौरुसधारी उपरोक्त खाना
संख्या २ कि सम्पत्ति पर कायम की
काबिज दाखिल होकर खुद से जोत
कोड़ करके या कराकर उसका फल
पैदावार अपने तहत वो तसरूफ में दर
लावे और बिहार सरकार के सिरिस्ते में
अपना नाम दर्ज कराकर साल व साल
मालगुजारी देकर दिया करें वो वसूलरसीद
हासिल किया करें इसमें मेरा द्वारा
या वारिसान कायम मोकामियान को कोई
उजर आज है न आइन्दे होगा वो
जरसमन का कुल रुपया हवाला वसूल पा
चुके है जरसमन मध्ये एक पैसा भी
बाकी नहीं है तवक्कुल बदलेन फरीकैन
अमल में लाई

इसलिये शरीर और मानसिक स्वस्थता
में निर्विवाद विक्रय पत्र लिख दिया
कि प्रमाण रहे और समय पर काम
आवे तारीख ७ माह जुलाई सन १९५८ ई०

[illegible]